



**21.08.2009**

**प्रेस नोट**

एनएमडीसी की पत्रा हीरा परियोजना जो एशिया की एकमात्र यंत्रीकृत खान है, बंद होने के चार वर्ष के बाद लंबे प्रयासों से भारत के सर्वोच्च न्यायालय की अनुमति से पुनःप्रारंभ की जा रही है। माननीय केन्द्रीय इस्पात मंत्री श्री वीरभद्र सिंह ने दिनांक 21 अगस्त 2009 को इस परियोजना को श्री साई प्रताप, माननीय केन्द्रीय इस्पात राज्य मंत्री, तथा श्री जीतेन्द्र सिंह बुंदेला, सांसद, खजुराहो, श्री हरी शंकर खटीक, प्रभारी मंत्री, पत्रा जिला, श्री श्रीकांत दुबे, विधायक, पत्रा, श्री ब्रिजेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक, पोवाई एवं श्री पी.के.रस्तोगी, सचिव इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार की मव्य उपस्थिति में राष्ट्र की सेवा में पुनःसमर्पित किया है।

इस परियोजना से हीरों का उत्पादन पुनः प्रारंभ कर चरणबद्ध प्रक्रिया में इसके विकास के साथ वर्ष में एक लाख कैरेट की उत्पादन क्षमता तक ले जाने की एनएमडीसी की योजना है

एनएमडीसी लिमिटेड, भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय व अन्य सांविधिक प्राधिकारों द्वारा लगाई गई शर्तों के अनुपालन पर विशेष ध्यान दे रहा है। पत्रा हीरा खदान से खनन प्रक्रिया का यह लाभ है कि यह सीधा नीचे की ओर है और एकमात्र गर्त तक प्रतिबंधित है अतः इससे कोई ऊपरी मृदा उत्पन्न नहीं होगी। आठ चेक डैम और टेलिंग डैम बनाए जा चुके हैं, जिनमें कोई अवपंक/गारा नहीं है और उत्पादन के दौरान उत्पन्न अवपंकों के संग्रहण के लिए ये सहायक होंगे। साथ ही, खानों व ढेरों के आसपास में मालाकृत निकासी बनाई जा रही है ताकि गैर-खनन क्षेत्रों में कोई क्षरण न हो।

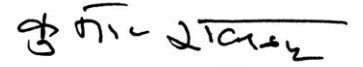
औद्योगिक अपशिष्ट पानी को समुचित ढंग से संग्रहित किया जाएगा और प्रवाही उपचार संयंत्र में इनका उपचार किया जाएगा। खान क्षेत्र के आसपास में लगभग 1.4 लाख पौधे लगाए गए हैं वन प्राधिकारों के साथ परामर्श कर प्रति हेक्टेयर 25,000 पौधे की दर से नियमित पौधारोपण की योजना बनाई गई है। वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण उपायों का एक बाह्य विशेषज्ञ एजेंसी द्वारा अनुवीक्षण किया जा रहा है। जलाऊ लकड़ी के प्रयोग को दूर करने के लिए सभी कर्मचारियों को एलपीजी कनेक्शन दिया जा रहा है।

अगले पांच वर्षों के लिए, एनएमडीसी मझगाँव एवं बडोर गांवों में आर्थिक विकास समिति को पर्याप्त सहायता राशि प्रदान करेगा।

एनएमडीसी की सक्रिय मौजूदगी से खान के आसपास के क्षेत्र के विकास व कल्याण में योगदान होगा। कंपनी द्वारा परियोजना अस्पताल में निःशुल्क उपचार के लिए गांववासियों को चिकित्सा कार्ड जारी किया

गया है। साथ ही, गांवों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाते हैं। बडोर गांव को पानी की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। खान के आसपास के गांवों के गरीबी परिवार के बच्चों को शिक्षा सहायता प्रदान की जा रही है। ग्यारह बच्चों में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। एनएमडीसी ने गांवों के लाभार्थ एक विद्यालय, एक आंगनवाडी भवन, एक पेयजल टंकी एवं एक सामुदायिक भवन का निर्माण किया है।

एनएमडीसी की मध्यप्रदेश राज्य के अन्य क्षेत्रों में विस्तार की योजना है। कंपनी ने मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हीरो व कोयले हेतु रिकानैजेशन परमिट्स एवं प्रॉस्पेक्टिंग लाइसेंस के लिए आवेदन किया है।



(कुमार राघवन)

अधिसासी निदेशक(नैगम संचार)